



सांस्कृतिक शिक्षा में AI की भूमिका और सीमाएं

डॉ. रंजीता खतुरिया, सहायक आचार्य, शिक्षा संकाय, गुरु नानक कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय, उदयपुर

Email- mattaranjeeta@gmail.com

सारांश

वर्तमान समय में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) शिक्षा सहित विभिन्न क्षेत्रों में एक महत्वपूर्ण उपकरण बनता जा रहा है। सांस्कृतिक शिक्षा में इसकी भूमिका विशेष रूप से उल्लेखनीय है क्योंकि यह छात्रों की विविध संस्कृतियों की समझ और ज्ञान को बढ़ाने के लिए अभिनव तरीके प्रदान करता है। जहाँ AI संचालित भाषा अनुवाद उपकरण भाषाई अंतर को पाटते हैं, जिससे सांस्कृतिक पाठ और साहित्य वैश्विक दर्शकों के लिए सुलभ हो जाते हैं। वहीं AI का व्यक्तिगत शिक्षण प्लेटफॉर्म छात्रों के लिए सांस्कृतिक रूप से प्रासंगिक सामग्रियों सहित व्यक्तिगत जरूरतों को पूरा करने के लिए शैक्षिक सामग्री तैयार करते हैं। AI द्वारा संचालित वर्चुअल रियल्टी टूर और सिमुलेशन तकनीक सांस्कृतिक विरासत स्थलों और ऐतिहासिक घटनाओं के व्यापक अनुभव प्रदान करती है, जिससे छात्रों को विभिन्न संस्कृतियों से गहरा जुड़ाव मिलता है। इसके अतिरिक्त AI कला और संगीत निर्माण में सहायता करके रचनात्मक अभिव्यक्ति का समर्थन करता है, जिससे विविध सांस्कृतिक कला रूपों के लिए प्रशंसा को बढ़ावा मिलता है।

हालांकि, सांस्कृतिक शिक्षा में AI का एकीकरण कुछ सीमाएँ भी प्रस्तुत करता है। प्राथमिक चुनौतियों में से एक AI की भावनात्मक बुद्धिमत्ता की कमी है। जो सांस्कृतिक संदर्भों और मानवीय भावनाओं की गहराई को पूरी तरह से समझने और व्यक्त करने की इसकी क्षमता को सीमित करती है। AI सिस्टम में मानवीय अंतःक्रियाओं को बढ़ावा देने की क्षमता का भी अभाव हो सकता है, जो सांस्कृतिक बारीकियों की सूक्ष्म समझ के लिए महत्वपूर्ण है। इसके अलावा, सांस्कृतिक अनुभवों की विविधता और गहराई के लिए अक्सर मानवीय स्पर्श की आवश्यकता होती है जिसे AI दोहरा नहीं सकता। गोपनीयता, डेटा सुरक्षा और AI तकनीकों के संभावित दुरुपयोग से संबंधित नैतिक चिंताओं पर भी सावधानीपूर्वक विचार करने की आवश्यकता है। अंत में AI पर निर्भरता को मानव शिक्षकों के महत्व को कम नहीं करना चाहिए जो सांस्कृतिक ज्ञान की व्याख्या करने और उसे प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

निष्कर्ष में, जबकि एआई सांस्कृतिक शिक्षा को बढ़ाने के लिए आशाजनक अवसर प्रदान करता है। इसके उपयोग को मानवीय संपर्क और सांस्कृतिक प्रमाणिकता के साथ संतुलित करना आवश्यक है। इसकी सीमाओं और नैतिक चिंताओं को संबोधित करने से यह सुनिश्चित होगा कि एआई एक समृद्ध और सार्थक सांस्कृतिक शिक्षा प्रदान करने में एक प्रभावी और सहायक उपकरण के रूप में कार्य करता है।